© 2019 IJSRST | Volume 6 | Issue 1 | Print ISSN: 2395-6011 | Online ISSN: 2395-602X
Themed Section: Science and Technology

ऑनलाइन अधिगमः एक समिक्षा

डॉ. मालती वर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर, ए.एन.डी.नगर निगम महिला महाविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश।

सारांश– ऑनलाइन अधिगम की उपलब्धता और दायरा पूरी दुनिया में फैल रहा है। अप–स्किलिंग के लिए उपयोग किए जाने वाले गहन, अल्पकालिक पाठ्यक्रम खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से तेजी से बढ़े हैं। ऑनलाइन वातावरण से निपटने के लिए विभिन्न सर्वोत्तम प्रथाओं पर विचार किया जा सकता है। अकादमिक संस्थान धीरे–धीरे ऑनलाइन सीखने के गहन मोड की ओर बढ़ रहे हैं। विभिन्न साहित्य के माध्यम से पहले से ही कोई गहन ऑनलाइन पेशकश की सफलता स्थापित नहीं की गई थी। कोहोर्ट मॉडल अभ्यास और साझा रुचि का समुदाय उत्पन्न करता है। सक्रिय शिक्षण सक्रिय, ऑनलाइन शिक्षण के करीब पहुंचता है। पाठ मॉड्यूल के संगठन ने सीखने की प्रक्रियाओं को मजबूत किया। शारीरिक और मानसिक भागीदारी और जुड़ाव शिक्षार्थियों के पाठ्यक्रम के प्रति जुड़ाव को बढ़ाते हैं। ऑनलाइन सीखने में प्रभावी ढंग से अभिनव असाइनमेंट और प्रतिक्रिया। अतुल्यकालिक अनुसंधान और सीखने के पैटर्न के साथ तुल्यकालिक सत्रा को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में सबसे अच्छा अभ्यास बताया गया है। इस वर्तमान अध्ययन में ऑनलाइन और मिश्रित शिक्षा के सफल विस्तार के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न सर्वोत्तम प्रथाओं पर एकीकृत समीक्षा की गई।

I. INTRODUCTION

परिचय– वैश्विक स्तर पर ऑनलाइन पेशकशों की उपलब्धता और दायरा बढ़ता है। इंटेंसिव शॉर्ट टर्म कोर्स की मांग दिन–ब–दिन बढ़ती जा रही है। रिपोर्ट अकादमिक प्रदर्शन और संतुष्टि के संदर्भ में ऑन–कैंपस वातावरण में अध्ययन के ऑनलाइन तरीकों की समानता साबित करती है। पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन पेशकश अध्ययन के ऑन–कैंपस मोड से अलग है। ऑनलाइन पाठ्यक्रम भौगोलिक बाधाओं पर काबू पाने के माध्यम से दुनिया भर के छात्रों के लिए लचीलापन और पहुंच प्रदान करते हैं।

ऑनलाइन शिक्षा वातावरण की प्रकृति का यह भी अर्थ है कि पाठ्यक्रम वितरण को तत्काल भौतिक बुनियादी ढांचे की कमी की भरपाई करने की आवश्यकता है, संचार के अतुल्यकालिक तरीकों पर अधिक निर्भर है। प्रलेखित साक्ष्य आयु, कार्य और प्रतिबद्धताओं के संबंध में ऑन–कैंपस सहकर्मियों से ऑनलाइन छात्रा समूहों में अंतर साबित करते हैं। अधिक लचीले कैरियर–संचालित ऑनलाइन ऑफर, ऑनलाइन सीखने की मांग को बढ़ाते हैं। एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम की योजना और विकास के दौरान शिक्षार्थियों को विशिष्ट जनसांख्यिकीय कारक माना जाता है। ऑनलाइन तकनीकों का उचित उपयोग, सावधानीपूर्वक योजना और विभिन्न बाहरी प्रतिबद्धताएं, ऑनलाइन सीखने को एक बेहतर अभ्यास बनाती हैं।

ऑनलाइन शिक्षण और अधिगम– ऑनलाइन स्टडी से जुड़ा मेल क्रिटिकल पॉइंट लर्निंग और टीचिंग दोनों है। पारंपरिक पद्धति में शिक्षण प्रमुख महत्वपूर्ण कारक है जहां मिश्रित अध्ययन, डिजाइन में सीखना महत्वपूर्ण है। 2015 के वर्ष में ग्रेगरी और लॉज एट अल ने उचित वितरण के लिए, प्रशिक्षक के ऑनलाइन प्रशिक्षण के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया।

अल्वारेज एट अल., 2009 के वर्ष में ऑनलाइन संदर्भ में आमने–सामने शिक्षण क्षमता और शिक्षाशास्त्रा हस्तांतरण को स्वीकार किया।

बावने और स्पेक्टर एट अल की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2009 में प्रभावी ऑनलाइन निर्देश के लिए ऑनलाइन अधिगम के संदर्भ में कौशल विकास के लिए अधिक लचीले दृष्टिकोण की आवश्यकता है। ऑनलाइन शिक्षण क्षमता ने ऑनलाइन और ऑन–कैंपस सीखने के बीच महत्वपूर्ण अंतर विकसित किया।

एक ऑनलाइन वातावरण में शिक्षक की दक्षताओं की प्रयोज्यता को ध्यान में रखते हुए, कुछ प्रशिक्षक कौशल के संबंध में गहन शिक्षण की अत्यधिक अनुशंसा की जाती है। 2006 के वर्ष में मिश्रा और कोहलर ने तकनीकी शैक्षणिक सामग्री ज्ञान (टीपीएसी) मॉडल का प्रस्ताव दिया जो कई स्तरों पर शिक्षक दक्षताओं को बढ़ाने के लिए एक उपयोगी ढांचा प्रदान करता है और गहन ऑनलाइन सीखने में शिक्षक कौशल पर विचार करने के लिए आवेदन कर सकता है।

ऑनलाइन शिक्षा के लिए प्रभावी दृष्टिकोण तैयार करने के लिए शिक्षार्थी विशेषताओं और दक्षताओं की कुंजी है। 2014 के वर्ष में बेली एट अल द्वारा ऑन–कैंपस और ऑनलाइन शिक्षा के बीच जनसांख्यिकीय अंतर की सूचना दी गई थी। ग्रीनलैंड और मूर (2014), द्वारा काम की प्रतिबद्धताओं और व्यस्त कार्यक्रमों के कारण छात्रा के रुकने और बीच में आने की सूचना दी गई है।

बोलिगर और मार्टिंडेल द्वारा किए गए अध्ययन, 2004 ने छात्रों के लिए वरीयता के रूप में ऑनलाइन अध्ययन के लिए लचीलेपन की पसंद, की सूचना दी। ऑनलाइन अध्ययन में लचीलेपन को युवा छात्रों की तुलना में बाद के जीवन स्तर पर प्राथमिकता दी जा सकती है, जहां अध्ययन को काम और परिवार की प्रतिबद्धताओं के अनुकूल होना चाहिए।

ऑनलाइन अध्ययन में छात्रों के प्रभावी जुड़ाव के लिए, उचित सुविधाऐं जुटाने की जिम्मेदारी के लिए संस्थागत और संकाय समान रूप से महत्वपूर्ण है। एक समावेशी और सहायक संरचित पाठ्यक्रम छात्रों को सामाजिक गतिविधि में संलग्न कर सकता है और समुदाय की भावना (ऑनलाइन) को बढ़ावा दिया जा सकता है। गैरीसन और उनके सहयोगियों के शोध निष्कर्ष कम्युनिटी ऑफ इंक्वायरी मॉडल के अनुप्रयोग को विकसित करते हैं।

विभिन्न कारक और परिस्थितियाँ, ऑनलाइन अध्ययन में प्रभावी छात्रा जुड़ाव के लिए बाधाक हैंः

कथित अलगाव

- अध्ययन को संतुलित करने की चुनौतियाँ
- काम और परिवार की प्रतिबद्धता
- सामग्री के साथ भ्रम
- खराब शैक्षणिक प्रदर्शन
- प्रेरणा की कमी

सबसे महत्वपूर्ण संस्थागत जिम्मेदारी में से एक ऑनलाइन अध्ययन के लिए तैयारी का अध्ययन करना है। ऑनलाइन अध्ययन के लिए तैयारी का मूल्यांकन और अध्ययन करने के लिए विभिन्न प्रकार के अध्ययन किए गए हैं।

छात्रा सहायता सेवाएंः

गहन ऑनलाइन शिक्षण का मुख्य सर्वोपरि छात्रा सहायता सेवाएं हैं। प्रौद्योगिकी व्यवधान या समर्थन सेवाओं की कमी छात्रों को सीखने में संलग्न करने में बाधा उत्पन्न कर सकती है।

छात्रों की सफलताओं का समर्थन करने वाले चार स्तंभ, अक्सर असंभव होते हैं जिन्हें शिक्षकों द्वारा प्रदान किया जाता है।

चित्राः छात्रा समर्थन के चार स्तंभ, रोडी सी. एट. ऑल, 2017

इन स्तंभों में शामिल हैं:

- ऑनलाइन के अनुकूल अकादमिक समर्थन
- तकनीक में सहायता
- स्वास्थ्य और कल्याण सुविधाएं
- अपनेपन की भावना

पुलन, 2011 के अनुसार, समर्थन प्रणाली के उचित और उपयुक्त अनुवाद से ऑनलाइन गहन पाठ्यक्रमों के लिए सकारात्मक और पुरस्कृत अनुभव का विकास होता है।

गहन अध्ययन के माध्यम से, पूरी तरह से ऑनलाइन अध्ययन की उच्च दर के कारण उचित और आवश्यक बुनियादी ढांचे के समर्थन के लिए उनके प्रशिक्षकों और सीखने के माहौल की अपेक्षाओं में वृद्धि हुई है। इसलिए, प्रदाताओं को उचित गहन पाठ्यक्रम देने के लिए इन चार स्तंभों का उचित अनुवाद सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

गहन ऑनलाइन सीखने के लिए– गहन ऑनलाइन वातावरण के अनुप्रयोग मुख्य रूप से कई सामग्रियों को सामान्य तरीके से साझा करते हैं। ऑनलाइन और गहन ऑनलाइन वातावरण में संचार के समान तरीके, समान संरचना, सीखने की तकनीक और मूल्यांकन सिद्धांतों को सुविधाकर्ता और शिक्षार्थियों दोनों के लिए साझा करने की संभावना है। संकुचित समय सीमा प्रभावी संचार की मांग को जटिल बनाती है, उचित तकनीक का उपयोग करती है, प्रतिक्रिया और सीखने की रणनीति बढ़ती है और शिक्षार्थियों और शिक्षकों की मांग बढ़ जाती है।

निष्कर्ष– गहन ऑनलाइन वातावरण में किसी गतिविधि के लिए एक लचीला दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। छात्रा और प्रशिक्षक के बीच अंतराल की पहचान की जानी चाहिए और गंभीर रूप से संबोधित किया जाना चाहिए। मूल्यांकन कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करना अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है और गहन ऑनलाइन अध्ययन की प्रमुख सामग्री है। आगे के अध्ययन और अनुसंधान के लिए प्रौद्योगिकी की सुसंगतता में सुधार की आवश्यकता है। इस समीक्षा में चर्चा किए गए विभिन्न कारक गहन ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में छात्रों की सफलताओं को बढ़ाने के लिए शिक्षकों और प्रशिक्षकों सहित संस्थानों का मार्गदर्शन करेंगे। गहन ऑनलाइन शिक्षा पर लागू होने वाले सर्वोत्तम अभ्यासों की गहरी समझ आगे के शोध का दायरा है।

सन्दर्भ

1. Magagula, C. M., and Ngwenya, A. P. (2004). A comparative analysis of the academic performance of distance and on-campus learners. Turk. Online J. Distance Educ. 5, 1–11.
2. McPhee, I., and Söderström, T. (2012). Distance, online and campus higher education: reflections on learning outcomes. Campus Wide Inf. Syst. 29, 144–155. doi:10.1108/10650741211243166
3. Bates, A. W. (2005). Technology, e-Learning and Distance Education. London: Routledge.
4. Brown, V. (2011). Changing demographics of online courses. US-China Educ. Rev. 8, 460–467.
5. Rovai, A. P., and Downey, J. R. (2010). Why some distance education programs fail while others succeed in a global environment. Internet Higher Educ. 13, 141–147. doi:10.1016/j.iheduc.2009.07.001
6. Gregory, M. S.-J., and Lodge, J. M. (2015). Academic workload: the silent barrier to the implementation of technology-enhanced learning strategies in higher education. Distance Educ. 36, 210–230. doi:10.1080/01587919.2015.1055056.
7. Alvarez, I., Guasch, T., and Espasa, A. (2009). University teacher roles and competencies in online learning environments: a theoretical analysis of teaching and learning practices. Eur. J. Teach. Educ. 32, 321–336. doi:10.1080/ 02619760802624104.

8. Bawane, J., and Spector, J. M. (2009). Prioritization of online instructor roles: implications for competency-based teacher education programs. Distance Educ. 30, 383–397. doi:10.1080/01587910903236536.
9. Mishra, P., and Koehler, M. (2006). Technological pedagogical content knowledge: a framework for teacher knowledge. Teach. Coll. Rec. 108, 1017–1054. doi:10.1111/j.1467-9620.2006.00684.
10. Bailey, M., Ifenthaler, D., Gosper, M., and Kretzschmar, M. (2014). "Factors influencing tertiary students' choice of study mode," in Rhetoric and Reality: Critical Perspectives on Educational Technology, eds B. Hegarty, J. McDonald, and S.-K. Loke. Proceedings ascilite Dunedin 2014, 251–261.
11. Greenland, S. J., and Moore, C. (2014). Patterns of online student enrolment and attrition in Australian open access online education: a preliminary case study. Open Praxis 6, 45–54. doi:10.5944/openpraxis.6.1.95.
12. Bolliger, D. U., and Martindale, T. (2004). Key factors for determining student satisfaction in online courses. Int. J. E-Learn. 6, 61–67.
13. Garrison, D. R., and Arbaugh, J. B. (2007). Researching the community of inquiry framework: review, issues, and future directions. Internet Higher Educ. 10, 157–172. doi:10.1016/j.iheduc.2007.04.001
14. Vonderwell, S. (2004). Online learning: student role and readiness. Turk. Online J. Educ. Technol. 3, 38–42.
15. Pillay, H., Irving, K., and Tones, M. (2007). Validation of the diagnostic tool for assessing tertiary students' readiness for online learning. Higher Educ. Res. Dev. 26, 217–234. doi:10.1080/07294350701310821.
16. Watkins, R., Leigh, D., and Triner, D. (2004). Assessing readiness for e-learning. Perform. Improv. Q. 17, 66–79. doi:10.1111/j.1937-8327.2004.tb00321.
17. Huwiler, A. G. (2015). Library services for distance students: opportunities and challenges. J. Libr. Inf. Serv. Distance Learn. 9, 275–288. doi:10.1080/ 1533290X.2015.1111283.
18. Lee, Y., and Choi, J. (2011). A review of online course dropout research: Implications for practice and future research. Educ. Technol. Res. Dev. 59, 593–618. doi:10.1007/s11423-010-9177-y
19. Anderson, T. (2008). The Theory and Practice of Online Learning. Athabasca, Alberta, Canada: AU Press, Athabasca University.
20. Kumar, S., and Heathcock, K. (2014). "Information literacy support for online students in higher education," in Handbook of Research on Transnational Higher Education, eds S. Mukerji and P. Tripathi (Hershey, PA: IGI Global), 624–640.
21. Pullan, M. (2011). Online support services for undergraduate millennial students. J. Higher Educ. Theory Pract. 11, 66–84.
22. Sable, D. (2010). "Contemplative interaction: a key to transformative learning online," in Transformative Learning and Online Education: Aesthetics, Dimensions and Concepts, eds T. Yuzer and G. Kurubacak (Hershey, PA: IGI Global), 260–281.
23. Palmer, S. (2012). Understanding the context of distance students: differences in on- and off-campus engagement with an online learning environment. J. Open Flexible Distance Learn. 16, 70–82.